

44. RAGH. 12, 102. KATHA. 1, 8, 4, 71. मयानुगतभोजनम् M. 11, 70. अने-  
करोगानुगतो बहुरोगपुरोगमः SUCA. 2, 443, 3. तैलं क्षीरानुगतम् *sammit der*  
*Milch* 43, 11. चित्तानुगतसर्वात्मन् MBH. 13, 538. *zugehen auf*: भद्रासनं  
ततश्चित्रमापिरन्वगमन्नवम् MBH. 13, 1487. *besuchen, durchwandern*: का-  
ननं वापि शैलं वा पं रामो ऽनुगमिष्यति R. 2, 48, 10. कृत्स्ना पृथिवीमनु-  
गच्छत् 1, 40, 14, 15. *aufsuchen*: तुजादिरपि स्वल्पतो ऽनुगतव्यो न तु क-  
चित्पथ्यते P. 6, 1, 7, Sch. *herankommen, sich einstellen*: काले वनुगते  
BHAG. P. 1, 14, 5. — 2) *von hinten bedecken*: शिवमिवानुगतं गजचर्मणा KIR.  
3, 2. — 3) *begehen, ausführen*: अनु स्वधामभवे जगमुर्ताम् RV. 4, 33, 6.  
तद्येदमभवे नानु गच्छत् 1, 161, 11. ध्यानयोगानुगतं mit act. Bed. Cvetar. 1, 3, 3. — 4) *befolgen, sich richten nach*: महुद्धिरनुगम्यताम् R. 2, 24, 43.  
तद्युवाभ्यां तत्रधर्मा ऽनुगतव्यः HIT. 116, 17. — 5) *nachmachen, ent-  
sprechen*: आस्यालितं पत्रप्रमदकरायैर्दङ्गधीरधनिमन्वगच्छत् — अम्भः  
RAGH. 16, 13. प्रस्तावानुगतं पृष्ठः *den Umständen gemäss* PANĀT. 218, 8.  
— 6) *eingehen in, mit dem loc.*: माधुर्यद्रवशैत्यादिज्ञलधर्मास्तरङ्गे । अ-  
नुगम्याथ तन्निष्ठे पेने क्षनुगता यथा ॥ सान्निस्थाः मच्चिदानन्दाः संबद्धा  
व्यावहारिके । तद्दुरिषाणुगच्छति तथैव प्रातिभासिके ॥ BĀLAB. 44, 43. —  
7) *eig. dem Windzuge nachgehen, ausgehen, verlöschen, vom Feuer* (vgl.  
यदा वा अग्निरनुगच्छति वापुं तर्ह्यनूहति CAT. Br. 10, 3, 8). यद्येष उ-  
च्यो ऽग्निरनुगच्छत् CAT. Br. 6, 6, 4, 10. 2, 2, 2, 17. 11, 5, 3, 8. fgg. 12, 4, 3,  
1. fgg. अग्रावनुगते KAUC. 72. Von lebenden Wesen AV. 12, 5, 27. संज्ञ-  
पयान्वगन्ति CAT. Br. 3, 8, 1, 15 (was das Brāhm. durch देवाननुगच्छति  
erklärt). Auch viell. in der Stelle: परायतो मातरमन्वचष्ट न नानु गान्यन्  
नु गमानि RV. 4, 18, 3. — Vgl. अनुग, अनुगत fgg., अनुगामिन् fg. —  
caus. 1) *nachahmen*: मयूरैर्हृद्वैरनुगमितस्य पुष्करस्य MĀLAY. 20. — 2)  
*auslöschen* CAT. Br. 2, 1, 4, 8. 12, 4, 2, 4, 3, 9.

— समनु 1) *nachgehen, folgen*: रामं समनुगच्छसि R. 3, 66, 17, 19. —  
2) *eindringen in, durchdringen*: यदिदं धर्मगच्छं बुद्ध्या समनुगम्यते MBH.  
11, 125. सर्वेषु हि वेदांतेषु वाक्यानि तात्पर्येणैव स्वार्थस्य प्रातिपादकत्वेन  
समनुगतानि WIND. SANCARA 109.

— अतर् *intercedere, ausschliessen von* (abl.): मा नो यज्ञादतर्गतं CAT.  
Br. 1, 6, 1, 1. 7, 3, 4; vgl. 3, 6, 3, 17, wo ०गातं gelesen wird. — Vgl. अ-  
तर्गत.

— अप *fortgehen, weichen, schwinden* AV. 6, 4, 2. अपगतामाथ समीपा-  
तस्य MBH. 7, 2087. LA. 48, 12. R. 2, 21, 60. 4, 8, 51. BHAG. P. 4, 9, 30. तन्मु-  
खादुत्तच्छापापगता HIT. 83, 6. अनुलेपं च — गात्रान्नापगमिष्यति R. 3, 3, 19.  
तिषाम् संपदे नापगच्छति PANĀT. III, 7. अमः R. 4, 32, 2. शोकः 5, 73, 4. नि-  
त्रवेदपथादनापगमगतः *vom Wege abgegangen* BHAG. P. 5, 26, 15. चतुःपथा-  
दपगता *aus dem Gesicht gekommen* BHART. 1, 74. चारित्रापगतं *vom guten*  
*Wandel abgestanden* MBH. 13, 4284. — Vgl. अपग u. s. w.

— व्यप *dass. ततो व्यपगतः पुनः* MBH. 13, 7421. लुत्पिपासे च सर्वेषां  
नप्तेन व्यपगच्छताम् 3, 17419. व्यपगच्छत् ते — भयम् R. 5, 22, 3. मदे मे  
व्यपगतः BHART. 2, 8. व्यपगतमदरागदम्भद्वेषदोष IND. 3, 62. MBH. 3, 882.  
R. 4, 8, 4. MĀKĀ. 1, 3, 16. MBH. 74. धर्माद्यपगतः *vom Rechte gewichen*  
R. 4, 17, 30. Von Sternen: *sich ganz entfernen, 12 Sternbilder entfernt*  
*abstehen*: अर्क्षान्तिसे द्वितीये बुधे ऽथ वा युगपदेव स्थितयोः । व्यपगतयो-  
र्वी (Sch.: = आदित्याद्वादशस्थानस्थितयोः) तन्निष्पत्तिरतीव गुरुदृष्ट्या ॥  
VARĀH. BRU. S. 39 (38), 4.

H. Theil.

— अपि 1) *in Etwas eingehen, bei Jmd eintreten*: देवान् AV. 12, 4, 31.  
3, 53. CAT. Br. 14, 4, 2, 1. तांश्चिदेवापि गच्छतात् RV. 10, 134, 1. अपि प-  
न्थामगन्महि स्वस्तिगाम् 6, 51, 16. 10, 2, 2. (रायः) वृजं न गावः प्रयतां अ-  
पि गमन् 5, 33, 10. असुं वागपि गच्छतु AV. 2, 12, 8. सुकृतां लोकम् 9, 5, 1.  
12, 2, 4, 45. VS. 40, 3. CAT. Br. 3, 4, 2, 7. 14, 7, 2, 14. LĀTJ. 4, 12, 17. — 2)  
*inire feminam*: अप्यू नु पत्नीर्वर्षणा जगम्युः RV. 4, 179, 1.

— अभि 1) *herbeikommen, sich nähern, treten zu* (acc.), *kommen zu,*  
*gehen zu oder nach*: (ह्रतः) अभि मामगच्छत् RV. 10, 98, 2. 146, 5. AV.  
20, 135, 1. MUNP. Up. 1, 2, 12. स्वां योनिम् CĀNKH. CA. 4, 11, 12. LĀTJ. 2, 1,  
7. — अभिगच्छन् (ohne acc.) M. 2, 196. MBH. 1, 7684. 13, 1626. N. 2, 26. 12,  
30. IND. 2, 19. R. 3, 10, 8. अभिजगमुर्नरं श्रेष्ठान् MBH. 1, 5769. 7635. 3, 1441.  
8069. N. 1, 6, 2, 9. M. 1, 1, 4, 153. 11, 99. R. 1, 1, 55. 56. 76. 57, 15. 3, 2, 13.  
15. 8, 18. VID. 51. तदभिगच्छाव वनम् R. 2, 96, 27. विदर्शनं N. 2, 25. कु-  
रुतेत्रम् MBH. in BENF. CHR. 20, 23. तत्र R. 1, 60, 11. अभिगता (!) MBH. 3,  
6068. 8141. med.: अभ्यगच्छत् वेदेहीम् R. 3, 52, 20. 10, 1. MBH. 2, 1994.  
वनानि क्रमशस्तात सर्वाण्येवाभ्यगच्छत् 3, 16656. अभिगतं *gekommen zu*  
(dat.): विनिश्चयेनाभिगतो ऽस्मि ते MBH. 3, 16700. *besucht*: मया पूर्वं बहु-  
शो ऽभिगतो हि सः R. 4, 39, 11. — 2) *folgen*: त्यक्त्वा ज्ञातिजनम् — अनु-  
रागादने रामं दिष्ट्या त्वमभिगच्छसि R. 3, 2, 21. — 3) *finden, antreffen*:  
ततस्त्वं ब्राह्मणाः — अभ्यगच्छत्कोशलायामनुपर्णनिवेशने MBH. 3, 2978.  
यद्यस्मानभिगच्छेत पापः 2042. — 4) *fleischlich betwohnen*: अभिगतास्मि  
भगिनो मातरं वा तवेति ह । शपत्तम् JĀCĀ. 2, 205. अभ्यगच्छः पतितं यत्नं  
भजमानम् MBH. 1, 2981. 4203. यस्त्विह वा अगम्यो स्त्रियं पुरुषो ऽगम्यं वा  
पुरुषं योषिदभिगच्छति BHAG. P. 5, 26, 20. — 5) *sich an Etwas machen*:  
पुद्गेवाभिगच्छामः R. 5, 82, 18. विहारम् *sich ergehen* MBH. 1, 7716. — 6)  
*erlangen, erwerben, theilhaft werden*: अमेणान्द्रास्कोलालं कोनाशशाभि  
गच्छतः AV. 4, 11, 10. 16, 7, 9, 11. तत्र मनुष्येयुः हिरण्यमभिगम्यते CAT. Br.  
3, 2, 4, 13. 8, 2, 35. *eines Zustandes theilhaft werden*: निद्रामभिगतः *ein-  
geschlafen* R. 5, 68, 3. अभ्यगच्छद्बुधोऽरुणोस्त्यागमेकस्य 2, 96, 54. — 7)  
*beyreifen*: (मनसा) उशिर्ना जगमुर्भि तानि वेदेसा RV. 3, 60, 1. यदे हृदये-  
नाभिगच्छति तज्जिह्वा वर्दति TS. 6, 3, 10, 4. 1, 3, 4. मेधया चै मनसाभिग-  
च्छति यजेति CAT. Br. 3, 1, 4, 7, 13. नो ह्यनभिगतं मनसा वागवदति 4, 6,  
2, 19. 1, 4, 5, 9. — Vgl. अभिगत्तु fgg., अभिगामिन् — caus. *zum Verständ-  
niss bringen, erklären* (?): वेदाङ्गान्यभिगमयति सर्वयत्नेः MBH. 1, 1295.  
WEST.: *legere*.

— समभि *herankommen*: समभिगच्छन् प्रेत्य रामम् R. 3, 9, 16.

— अरम् s. u. d. W.

— अय 1) *her- oder hinkommen zu, besuchen, sich herbeilassen*: वि-  
श्वेह देवौ सव्नावं गच्छतम् RV. 8, 33, 4. समनम् 10, 86, 10. 6, 73, 5. (यः)  
बृहस्पतिं नमसाव च गच्छात् AV. 4, 1, 7. 18, 2, 56. अङ्गः समुद्रमव जगु-  
रायः RV. 1, 32, 2. यज्ञस्योदचम् CAT. Br. 14, 1, 1, 5. अय शोदेषु गच्छति RV.  
9, 13, 6. *gerathen unter*: न सन्नौ अयं गच्छति AV. 6, 76, 4. — 2) *er-  
langen*: उभे एव विंशं च राष्ट्रं चावगच्छति यदि नावगच्छेद्विममृहमादि-  
त्येभ्यो भागं निर्वपाम्यामुष्मादमुष्यै विशो ऽवगतोऽरिति TS. 2, 3, 2, 4. 6, 6,  
5, 3. AIT. Br. 8, 10. — 3) *an Etwas gehen, unternehmen*: कुतो पुद्गे ज्ञातु  
नरो ऽवगच्छेत् MBH. 5, 740. — 4) *auf Etwas kommen, auf Etwas verfal-  
len, bemerken, erkennen, in Erfahrung bringen, sich von Etwas über-  
zeugen, überzeugt sein*: पत्रैतद्वपा वा क्वोषि वा वपांसि द्विपदचतुष्पदं वा-